लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली

LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

संसदीय निगरानी और शासन में सुधार लाने के लए सभी संसदों को अपने कामकाज में जनता की भागीदारी बढ़ाने की ज़रूरत है – लोक सभा अध्यक्ष

नई दिल्ली, **20** अगस्त **2020 :** लोक सभा अध्यक्ष , श्री ओम बिरला ने वर्चुअल माध्यम से आयोजित कए जा रहे संसदों के अध्यक्षों के पांचवें वश्व सम्मेलन के दूसरे दिन के दौरान आज 'संसदों और लोगों के बीच दूरी को कम कर शासन में सुधार करना ' वषय पर हुई पैनल चर्चा में भाग लया ।

इस अवसर पर श्री बिरला ने कहा क सूचना प्रौद्यो गकी क्रांति के इस दौर में संसदीय निगरानी और शासन में सुधार लाने के लए सभी संसदों को अपने कामकाज में जनता की भागीदारी बढ़ाने की ज़रूरत है।

उन्होने इस बात का उल्लेख कया क 135 करोड़ लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतिनि धत्व कर रही भारत की संसद जनता से सतत संपर्क बनाए रखने में स क्रय भू मका निभा रही है । श्री बिरला ने कहा क इस जटिल प्र क्रया को पाँच 'आई' के माध्यम से फलीभूत कया जाता है : 'इंटरेक्ट' जिसके अंतर्गत हमारे सांसद हमेशा जनता से जुड़े रहते है और उनसे प्राप्त सूचना एवं सुझावों को सदन में परिल क्षत करते है; 'इन्फॉर्म' अर्थात जनता को सूचना प्रसार माध्यमों और सोशल मी डया के माध्यम से लगातार सरकार की योजनायों और नीतियों के बारे में अवगत कराया जाता है ; 'इंवोल्व' अर्थात जन-जन को वकास प्र क्रया में शा मल कया जाता है; 'इम्बाइब' अर्थात जनता से शासन प्र क्रया पर मले सुझावों को आत्मसात कया जाता है और 'इम्प्रूव' के तहत शासन प्र क्रया एवं योजनायों में अपे क्षत सुधार कया जाता है।

इस बात का उल्लेख करते हुए क भारत की संसद देश की सर्वोच्च वधायी संस्था है , श्री बिरला ने कहा क हमारी संसद जन-जन से जुड़ी हुई है तथा पारद र्शता और सुशासन सुनिश्चित करने पर हमेशा ज़ोर देती है । श्री बिरला ने यह भी कहा क को वड – 19 महामारी के दौरान भी हमारी संसद ने सांसदों और जनता के बीच 24x7 संपर्क बनाये रखा और हज़ारों ज़रूरतमंद लोगों को तत्काल राहत और आवश्यक सहायता प्रदान कराई।

श्री बिरला ने यह टिप्पणी की क हमारी मजबूत स मति प्रणाली वधायी जांच में जनता की स क्रय भागीदारी सुनिश्चित करती है । इसके अलावा, लोकसभा और राज्य सभा टी.वी. चैनलों पर सदन की कार्यवाही के लाइव प्रसारण , सम र्पत वेबसाइटों और सोशल मी डया प्लेटफॉर्म के माध्यम से हम संसद को घर-घर पहुंचाने में सफल रहे है।

दो दिन चले इस सम्मेलन के दौरान प्रतिभा गयों ने महिला-पुरुष समानता , राजनीतिक प्र क्रया में युवाओं की सहभा गता , जलवायु परिवर्तन , मानव प्रवास और आतंकवाद जैसे अनेक मुद्दों पर अपने अनुभव और वचार साझा कए ।

श्री राजीव प्रताप रूडी, श्रीमती मीनाक्षी लेखी संसद सदस्य, लोकसभा एवं लोक सभा की महास चव, श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव भी आज पैनल चर्चा में शा मल हुए।

श्री बिरला कल संसदों के अध्यक्षों के पांचवें वश्व सम्मेलन के उदघाटन सत्र में वर्चुअल माध्यम से शा मल हुए।

संसदों के अध्यक्षों के पांचवें वश्व सम्मेलन का आयोजन अंतर संसदीय संघ , जेनेवा और ऑस्ट्रिया की संसद द्वारा संयुक्त रूप से 19 और 20 अगस्त 2020 को संयुक्त राष्ट्र के सहयोग से कया गया । इतने बड़े अंतर्राष्ट्रीय संसदीय सम्मेलन का आयोजन पहली बार वर्चुअल माध्यम से हुआ । इस सम्मेलन का वषय था "प्रभावी बहुपक्षीय के लए एक ऐसा संसदीय नेतृत्व जिससे पृथ्वी और मानवजाति का सतत वकास और शांति सुनिश्चित हो सके। " इस सम्मेलन के दूसरे भाग का आयोजन अगले साल वयना, ऑस्ट्रिया में होगा ।

को वड -19 महामारी और वश्व पर इसके वनाशकारी प्रभाव के परिदृश्य में आयोजित कए गए इस सम्मेलन का उद्देश्य बेहतर वश्व के निर्माण के लए बहुपक्षवाद और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है ।

'PARLIAMENTS NEED TO ENSURE PUBLIC PARTICIPATION IN PARLIAMENTARY OVERSIGHT AND IMPROVING GOVERNANCE': LOK SABHA SPEAKER

New Delhi, 20 August 2020: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla participated today, through virtual mode, in the Panel Discussion on the theme "Improving governance by bridging the gap between Parliaments and the People" during the ongoing Fifth World Conference of Speakers of Parliament (5WCSP).

On this occasion, Shri Birla said that in this era of the information technology revolution, Parliaments need to ensure public participation in parliamentary oversight and improving governance.

He mentioned that Parliament of India, representing the aspirations of 1.35 billion people, plays a proactive role in ensuring engagement with them. Shri Birla said that this involves the usage of five 'I's in the process: 'Interact' involving the interaction of parliamentarians with the public and adopting thereby information and feedback in the working of the House; 'Inform' involving the usage of means of information & communication and social media to continuously enlightening the public about the programmes and policies of the government; 'Involve' which includes ensuring participation of the public in the development process; 'Imbibe' involving the internalization of feedback received from the public in the administrative process; and 'Improve' which includes bringing out the desired progress in the administrative schemes and processes.

Observing that the Indian Parliament is the highest legislative institution of the nation, Shri Birla said that our Parliament is fully engaged with the people and always reinforces transparency and good governance. Shri Birla mentioned that even during the Covid-19 pandemic, our Parliament maintained 24X7 connect between the parliamentarians and the general public to ensure that the needy and the underprivileged are provided necessary relief and assistance without delay.

Shri Birla observed that our strong Parliamentary Committee system works to ensure public participation in legislative oversight work. Further, through the direct telecast of proceedings of Parliament on the Lok Sabha and Rajya Sabha Television Channels, dedicated websites and social media platforms, it has been ensured that Parliament reaches every house of the country.

During the two day Conference, the participants shared their experiences and views on a number of issues, such as gender equality, the participation of youth in the political process, climate change, human mobility and terrorism.

Shri Rajiv Pratap Rudy, Smt. Meenakshi Lekhi, Members of Parliament, Lok Sabha and Smt. Snehlata Shrivastava, Secretary General, Lok Sabha also attended the panel discussion today.

Yesterday, Shri Birla attended the inaugural session of Virtual 5WCSP.

The Fifth World Conference of Speakers of Parliament (5WCSP) was organized jointly by the Inter-Parliamentary Union (IPU), Geneva, and the Parliament of Austria on 19 and 20 August, 2020 with the support of the United Nations (UN). This was the first time that an international Parliamentary Conference of such a magnitude was organized in Virtual mode. The theme of the 5WCSP was "Parliamentary leadership for more effective multilateralism that delivers peace and sustainable development for the people and planet". The second part of the Conference will be held next year in the physical mode in Vienna, Austria.

The Conference, held in the backdrop of the current crisis of COVID-19 pandemic and its disastrous impact on the world, aims to strengthen multilateralism and international cooperation in order to rebuild a better world.